2. वर्ण ज्ञान

हिंदी भाषा स्वर और व्यंजन वर्णों से मिलकर बनी है। हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर, 33 व्यंजन और 4 संयुक्त व्यंजन शामिल हैं। बच्चों को प्रारंभिक स्तर से वर्णों का समुचित और सटीक बोध होना आवश्यक है।

- बच्चों को वर्णमाला का ज्ञान हो चुका है। शिक्षक/शिक्षिका एक बार पुनः इसकी दोहराई करवाएँ।
- बच्चों को वर्णों की पहचान भली-भाँति हो गई है, यह जानने के लिए ब्लैकबोर्ड पर वर्ण लिखें और प्रत्येक बच्चे से वर्ण का नाम पूछें।
- स्वर-व्यंजन सभी वर्णों का उच्चारण बच्चों से करवाएँ।
- प्रत्येक वर्ण का शुद्ध लेखन भी करवाएँ।
- बच्चों द्वारा बनाए वर्णों की बनावट पर विशेष ध्यान दें। अकसर प्रारंभिक स्तर से ही बच्चों में किसी वर्ण को गलत तरीके से बनाने की आदत पड़ जाती है जो जीवन भर बनी रहती है। अतः यदि बच्चा इस प्रकार की कोई अशुद्धि करता है तो उसका सुधार अति आवश्यक है।
- संयुक्त व्यंजन क्ष त्र ज्ञ श्र की रचना के बारे में समझाएँ।
- संयुक्त व्यंजनों के शुद्ध उच्चारण तथा लेखन पर बल दें। यदि बच्चों को वर्ण बनाने में असुविधा हो तो यथासंभव सहायता करें।
- बच्चों को संयुक्त व्यंजन बनाना बताएँ। संयुक्त व्यंजन तथा संयुक्ताक्षर का अंतर स्पष्ट करें।
- प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें। बच्चों से बातचीत के द्वारा जानने का प्रयास करें कि वे वर्णों के लेखन तथा उच्चारण में सहज हैं अथवा नहीं।
- पाठ अभ्यास करवाने में अपेक्षित सहायता करें।